आज का सार

केन्द्र सरकार का राजकोषीय घाटा जनवरी के अंत में चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान के 66.8 प्रतिशत यानी 12.34 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। एक साल पहले जनवरी अंत में राजकोषीय घाटा संशोधित बजट अनुमान का 128.5 प्रतिशत पर था।

विश्व में कोरोना संक्रमण से 25 लाख कालकवलित

वाशिंगटन/नई दिल्ली ■ वार्ता

विश्व भर में अब तक 11.30 करोड़ से अधिक लोग कोरोना महामारी की चपेट में आ चुके हैं वहीं इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 25 लाख से पार हो गयी है।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के 192 देशों एवं क्षेत्रों में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 11 करोड़ 30 लाख 25 हजार से अधिक हो गयी है जबकि 25.07 लाख मरीजों की जान जा चुकी है। वैश्विक महाशक्ति माने-जाने वाले अमेरिका में कोरोना का कहर जारी है तथा यहां संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 2.84 करोड़ से अधिक हो गयी है जबकि 5.08 लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

भारत में कोरोना संक्रमितों का कुल आंकड़ा एक करोड़ 10 लाख 63 हजार से अधिक हो गया है, हालांकि यहां कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या एक करोड़ सात लाख 50 हजार 680 हो गई है। वहीं मृतकों का आंकड़ा बढ़कर एक लाख 56 हजार 825 हो गया है।

© AFP/M. Bertor

एक करोड़ से अधिक कोरोना मामलों की संख्या वाले तीन देशों में शामिल ब्राजील में अब तक एक करोड़ तीन लाख 90 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 2.51 लाख से अधिक मरीजों की मौत हो चुकी है। अमेरिका , भारत और ब्राजील के बाद कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल ब्रिटेन में कोरोना संक्रमितों की संख्या 41.66 लाख से अधिक हो गई है और 1.22 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। रूस में कोरोना से 41.64 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 83,481 लोगों की मौत हो चुकी है। फ्रांस में 37.46 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 85,734 मरीजों की मौत हुई है। स्पेन में इस महामारी से अब तक 31.80 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 68,813 लोगों की मौत हो चुकी है। इटली में संक्रमितों की संख्या 28.68 लाख से अधिक हो गई है और 96,974 लोगों की मौत हो चुकी है।

तुर्की में कोरोना से अब तक 26.74 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 28,358 लोगों ने जान गंवाई है। जर्मनी में इस वायरस की चपेट में आने वालों की संख्या 24.27 लाख से अधिक हो गई है और 69,343 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया में कोरोना से अब तक 22.41 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 59,396 लोगों ने जान गंवाई है।

अर्जेंटीना में कोरोना से 20.93 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 51,795 लोगों की जान जा चुकी है। मेक्सिको में कोरोना से 20.69 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 1.83 लाख लोगों की मौत हो चुकी है।

सार समाचार

नेपाल में भारत की सहायता से स्वास्थ्य केंद्रों का होगा पुनर्निर्माण

काठमांडू, भाषा। भारत ने मध्य नेपाल में 25 स्वास्थ्य केंद्रों के पुनर्निर्माण के लिए शुक्रवार को 53 करोड़ रुपये मुहैया कराने का वादा किया, जो अप्रैल 2015 में आए भूकंप में नष्ट हो गए थे। इस भूकंप में 9,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों और नेपाल राष्ट्रीय पुनर्निर्माण प्राधिकरण ने धडिंग और सिंधुपालचौक जिलों में 25 स्वास्थ्य केंद्रों के पुनर्निर्माण के लिए चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

स्वास्थ्य केंद्रों में बाह्य रोगी विभाग, डिस्पेंसरी, दवा स्टोर, चिकित्सकीय कर्मचारियों के लिए शयनकक्ष, रसोई और दिव्यांग अनुकूल शौचालय सुविधाएं होंगी। इनमें से 12 स्वास्थ्य केंद्र धडिंग में और 13 सिंधुपालचौक जिले में स्थित हैं।

कनाडा में एस्ट्राजेनेका टीके को मिली मंजूरी

टोरंटो, एपी। कनाडा की नियामक एजेंसियों ने शुक्रवार को सभी वयस्कों के लिए कोरोना वायरस के एस्ट्राजेनेका टीके को मंजूरी प्रदान कर दी। फाइजर और मॉडर्ना के बाद कोविड-19 का यह तीसरा टीका है जिसे कनाडा में मंजूरी दी गई है।

'हेल्थ कनाडा' ने 18 साल से अधिक आयु के लोगों के लिए इस टीके को मंजूरी दी है। गौरतलब है कि फ्रांस समेत कुछ अन्य देशों ने केवल 65 साल से कम उम्र के लोगों के लिए एस्ट्राजेनेका टीके को मंजूरी दी है। यह टीका, परीक्षण में 62 प्रतिशत प्रभावी सिद्ध हुआ है और पहले जिन टीकों की मंजूरी दी गई थी उनकी तुलना में कम सुरक्षा देने वाला प्रतीत होता है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि 50 प्रतिशत से अधिक प्रभाव वाला कोई भी टीका संक्रमण को फैलने से रोकने में सहायक होगा। हेल्थ कनाडा ने कहा कि चार क्लिनिकल ट्रायल और अन्य देशों में एस्ट्राजेनेका को मंजूरी मिलने के बाद प्राप्त आंकड़ों के आधार पर यह निर्णय लिया गया।

गपशप का शेष

डिजिटल मीडिया पर लगाम?

श्रीलंका की सरकार ने कहा है कि अडानी समूह ने उसकी बात नहीं मानी इसलिए कोलंबो बंदरगाह पर ईस्टर्न कंटेनर टर्मिनल का प्रोजेक्ट रद्द हो गया, क्या इस बारे में की गई कोई टिप्पणी दूसरे देश से संबंध बिगाड़ने वाली मानी जाएगी? प्रधानमंत्री ने कहा है राजनीतिक फायदे के लिए निजी कंपनियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी बरदाश्त नहीं की जाएगी तो क्या अंबानी या अडानी के ऊपर लिखी गई सोशल मीडिया पोस्ट देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए खतरनाक मानी जाएगी?

असल मे यह सरकार को तय करना है कि कौन सी बात देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा या सामाजिक व्यवस्था के लिए जरूरी है या उसके खिलाफ है। इस आधार पर वह नए कानून का मनमाना इस्तेमाल करेगी। इसमें यह प्रावधान किया गया है कि देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा, सामाजिक व्यवस्था आदि बिगाड़ने वाले को पांच साल की सजा हो सकती है। सोचें, डिजिटल इंडिया में किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कोई बात लिखने पर पांच साल की सजा का प्रावधान लोकतंत्र को मजबूती देगा या उसे कमजोर करेगा?

नए कानून में कंपनियों से कहा गया है कि वे नागरिकों की शिकायत सुनने के लिए ग्रिवांस ऑफिसर नियुक्त करें, संपर्क करने के लिए नोडल कांटैक्ट पर्सन नियुक्त करें और चीफ कंप्लायंस ऑफिसर की नियुक्ति करें। ये सारे लोग भारतीय होने चाहिए। अंदाजा लगाया जा सकता है कि कानून लागू होने के बाद क्या होना। जिसके पास तंत्र होगा वह शिकायत करेगा और जिसके पास ताकत होगी वह कार्रवाई कराएगा। शिकायतों और कार्रवाई का भय दिखा कर लोगों को अपने मन की बात लिखने से रोका जाएगा।

अमेरिका ने संघर्षविराम पर भारत और पाक के संयुक्त बयान का स्वागत किया

वाशिंगटन ■ भाषा

अमेरिका ने नियंत्रण रेखा तथा अन्य क्षेत्रों में संघर्षविराम के सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने के भारत और पाकिस्तान के संयुक्त बयान का स्वागत किया और इसे दक्षिण एशिया में शांति एवं स्थिरता की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने बृहस्पतिवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बाइडन प्रशासन पाकिस्तान सहित क्षेत्र के नेताओं और अधिकारियों के साथ संपर्क में है।

साकी ने कहा, ''अमेरिका, भारत और पाकिस्तान के संयुक्त बयान का स्वागत करता है कि दोनों देश नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम का सख्ती से पालन करने पर सहमत हुए हैं और यह 25 फरवरी से प्रभावी हो गया है।'' भारत और पाकिस्तान ने संयुक्त बयान जारी कर जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा एवं अन्य क्षेत्रों में संघर्षविराम के सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने पर सहमति जतायी है।

इस बारे में पूछे जाने पर प्रेस सचिव ने कहा, ''यह दक्षिण एशिया में शांति एवं स्थिरता की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जिसमें हमारे साझा हित जुड़े हैं। हम दोनों देशों को इस प्रगति को बनाये रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पर्याप्त कदम उठा रहा है, इस पर उन्होंने कहा '' उस आकलन के बारे में मैं आपको विदेश मंत्रालय या खुफिया विभाग की ओर इशारा करूंगी।'' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक अलग संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रशासन ने एलओसी पर तनाव कम करने के लिए दोनों पक्षों से 2003 में हुए संघर्ष विराम समझौते का पालन करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, ''हम नियंत्रण रेखा के पार घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों की निंदा करते हैं।''

प्राइस ने कहा, ''अमेरिका की भूमिका की बात करें तो हम कश्मीर एवं अन्य संबंधित मुद्दों पर भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी वार्ता का समर्थन करते हैं और निश्चित रूप से इस समझौते का स्वागत करते हैं, जो 25 फरवरी से प्रभावी हो गया है।'' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक महत्वपूर्ण सहयोगी है जिसके साथ अमेरिका के कई साझा हित जुड़े हैं।

कोविड-19 की जांच के लिए खास चिप विकसित, फोन पर मिलता है परिणाम

वाशिंगटन ■ भाषा

वैज्ञानिकों ने टिकट के आकार की एक खास चिप विकसित की है जो कोविड-19 की जांच को आसान बना देगी और 55 मिनट से भी कम समय में स्मार्टफोन पर नतीजे मिल जाएंगे।

अमेरिका में 'राइस यूनिवर्सिटी' के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित माइक्रोफ्लूइडिक चिप उंगली से लिए गए खून के नमूने में सार्स कोव-2 के न्यूक्लियोकैप्सिड (एन) का विश्लेषण करती है। शोध पत्रिका 'एसीएस सेंसर्स' में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक चिप उंगली पर सुई चुभाकर लिए गए रक्त सीरम से सार्स कोव2 न्यूक्लियोकैप्सिड (एन) प्रोटीन की सांद्रता को मापता है जो कि कोविड-19 का एक बायोमार्कर है। नैनोबीड्स चिप में सार्स कोव- 2 एन प्रोटीन को बांधता है और इसे एक विद्युत रासायनिक संवेदक तक पहुँचाता है जो बायोमार्कर की मात्रा का पता लगाता है। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि आरटी-पीसीआर जांच की तुलना में जांच का यह तरीका बहुत आसान है।

अध्ययनकर्ता पीटर लिलीहोज ने कहा, ''आप जांच से संबंधित समूची प्रक्रिया एक ही जगह पर कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल करना भी आसान है। इसमें लैबोरेट्री की भी जरूरत नहीं होती।'' विश्वविद्यालय के शोधार्थियों ने पिछले साल मलेरिया का पता लगाने के लिए 'माइक्रोनीडल पैच' को विकसित किया था। जांच के लिए अध्ययनकर्ताओं ने स्वस्थ लोगों और कोविड-19 से संक्रमित लोगों के खून के नमूनों से इसकी पड़ताल की। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि अधिकतम 55 मिनट में माइक्रोचिप सार्सकोव2 एन प्रोटीन का पता लगा लेती है।

आर्थिकी/कंपनियां

सेंसेक्स 1,900 अंक से अधिक लुढ़का

निफ्टी ने 568 अंक का गोता लगाया।

मुंबई ■ भाषा

शेयर बाजारों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट आयी और बीएसई सेंसेक्स 1,940 अंक लुढ़क गया। बांड बाजार में रिटर्न बढ़ने के साथ निवेशकों के जोखिम भरे इक्विटी बाजार से दूर होने के बीच वैश्विक स्तर पर चौतरफा बिकवाली से शेयर बाजारों में गिरावट आयी।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,939.32 अंक यानी 3.80 प्रतिशत लुढ़क कर 49,099.99 अंक पर बंद हुआ।

इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 568.20 अंक यानी 3.76 प्रतिशत का गोता लगाकर 14,529.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर नुकसान में रहे।

ओएनजीसी में सर्वाधिक करीब 6.50 प्रतिशत की गिरावट आयी। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, पावर ग्रिड, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक भी नीचे आये। खंडवार सूचकांकों में बैंक सूचकांक में 4.8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आयी। वित्तीय और दूरसंचार सूचकांकों में भी क्रमशः 4.9 प्रतिशत और 3.85 प्रतिशत की गिरावट आयी। एशिया के अन्य बाजारों में भी भारी गिरावट रही। भारतीय समय के अनुसार दोपहर बाद खुले यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी गिरावट का रुख रहा। विश्लेषकों के अनुसार ऐसा लगता है कि बांड पर रिटर्न बढ़ने से निवेशकों की जोखिम भरे शेयरों में रूचि कम हुई है। बांड बाजार में रुख का प्रभाव प्रायः इक्विटी बाजार में दिखता है। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

रुपये का 19 महीने का सबसे बुरा दिन, डॉलर के मुकाबले 104 पैसे गिरा

मुंबई, भाषा। वैश्विक बांड बाजारों बांड के दामों में भारी गिरावट के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में शुक्रवार को 19 महीनों की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। रुपया 104 पैसे का गोता लगा कर प्रति डालर 73.47 पर बंद हुआ।

बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी और सीरिया के बीच बढ़ते तनाव के कारण भी निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई।

अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले 72.43 पर खुलने के बाद कारोबार के दौरान दिन के निम्नतम स्तर 73.51 रुपये को छू गया। अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 104 पैसे की गिरावट के साथ 73.47 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

यह पांच अगसत 2019 केबाद रुपये की विनिमय दर में सबसे बड़ी गिरावट है।

बृहस्पतिवार को बाजार बंद होने के समय विनिमय दर 72.43 प्रति डॉलर थी। साप्ताहिक आधार पर डॉलर के मुकाबले रुपये में 82 पैसे की गिरावट आई है। छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.52 हो गया। विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे जिन्होंने बुधवार को 28,739.17 करोड़ रुपये के शेयरों की लिवाली की। वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड वाायदा का भाव 0.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.22 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

राजकोषीय घाटा जनवरी अंत में बढ़कर 12.34 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

नई दिल्ली ■ भाषा

केन्द्र सरकार का राजकोषीय घाटा जनवरी के अंत में चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान के 66.8 प्रतिशत यानी 12.34 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। एक साल पहले जनवरी अंत में राजकोषीय घाटा संशोधित बजट अनुमान का 128.5 प्रतिशत पर था।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2021 के अंत में सरकार का राजकोषीय घाटा जनवरी 2021 की समाप्ति पर 12,34,004 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष के दौरान 31 मार्च तक सरकार का राजकोषीय घाटा 18.48 लाख करोड़ रुपये यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 9.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

चालू वित्त वर्ष के दौरान मोरोना वायरस महामारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिये लॉकडाउन लगाया गया जिसका कारोबारी गतिविधियों पर गहरा प्रभाव पड़ा और परिणामस्वरूप सरकार की राजस्व प्राप्ति भी कम रही। सीजीए के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2021 तक सरकार को 12.83 लाख करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। यह राशि 2020- 21 के संशोधित बजट अनुमान का 80 प्रतिशत है। इसमें 11.01 लाख करोड़ रुपये कर राजस्व के शामिल हैं। वहीं इस दौरान कर प्राप्ति 2020- 21 के बजट अनुमान का 82 प्रतिशत रही जबकि इससे पिछले साल इसी अवधि में यह प्राप्ति 66.3 प्रतिशत रही। गैर- कर राजस्व संशोधित अनुमान का 67 प्रतिशत रही जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 73 प्रतिशत रही थी। सीजीए के मुताबिक आलोचय अवधि में कुल खर्च 25.17 प्रतिशत रहा जो कि संशोधित अनुमान का 73 प्रतिशत है वहीं एक साल पहले इस दौरान कुल व्यय संशोधित अनुमान का 84.1 प्रतिशत था। फरवरी 2020 के बजट में राजकोषीय घाटा 7.96 लाख करोड़ रुपये यानी जीडीपी का 3.5 प्रतिशत अनुमानित था। लेकिन संशोधित अनुमान में इसे 9.5 प्रतिशत (18,48,655 करोड़ रुपये) कर दिया गया है। कोविड- 19 महामारी और लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां तो बंद रही लेकिन महामारी पर काबू पाने के लिये चिकित्सा सुविधाओं और बीमारों के इलाज पर खर्च तेजी से बढ़ा है। 2019- 20 में राजकोषीय घाटा 4.6 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो कि पिछले सात साल का उच्चतम घाटा रहा।

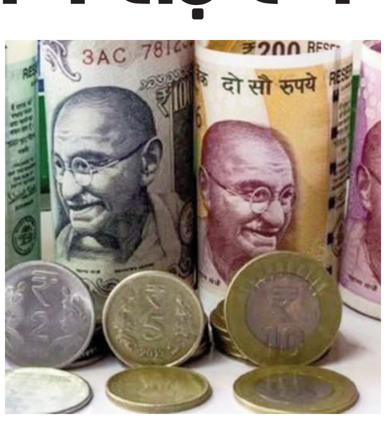

समाचार खास

बजट में कर प्रोत्साहनों की घोषणा से आईएफएससी को लेकर आकर्षण बढ़ेगा

सीतारमण ने कहा, "बजट के जरिये जो पैकेज की घोषणा की गयी है, उससे गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के लेकर आकर्षण बढ़ेगा।"

नई दिल्ली ■ भाषा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि 2021-22 के बजट में कर प्रोत्साहनों की घोषणा से गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय क्षेत्र के लिये आकर्षण बढ़ेगा।

'इंडिया एयरक्राफ्ट लीजिंग समिट' में उन्होंने कहा कि लागत प्रभावी विशेषताओं को देखते हुए सरकार ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र को तेजी से आगे बढ़ाया है।

सीतारमण ने कहा, ''बजट के जरिये जो पैकेज की घोषणा की गयी है, उससे गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के लेकर आकर्षण बढ़ेगा।''

सीतारमण ने 2021-22 के बजट भाषण में कहा था कि सरकार गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) को वैश्विक वित्तीय केंद्र बनाने को लेकर प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, ''पहले से उपलब्ध कराये गये कर प्रोत्साहन के अलावा, मैं विमान पट्टा कंपनियों के लिये पूंजी लाभ को लेकर कर अवकाश, पट् टा देने वाली विदेशी कंपनियों को पट्टा किराया भुगतान पर कर छूट, आईएफएसी में विदेशी कोष लगाने पर कर प्रोत्साहन, आईएफएससी में स्थित विदेशी बैंकों के निवेश इकाई के लिये कर छूट देने का प्रस्ताव करती हूं।'' गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट-सिटी) देश का एकमात्र अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र है।

डिब्बाबंद खाद्यों का घरेलू बाजार 5- 10 साल में दोगुना होकर 70 अरब डालर का होगाः नेस्ले इंडिया

नई दिल्ली, भाषा। नेस्ले कंपनी का अनुमान है कि भारतीय डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का बाजार अगले पांच से दस साल में दोगुना होकर 70 अरब डालर तक पहुंच जाने का अनुमान है। इसमें आर्थिक वृद्धि, युवा आबादी का लाभ और बढ़ते ई- वाणिज्य बाजार का प्रमुख का योगदान होगा। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने शुक्रवार को यह अनुमान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कंपनी को सरकार की तरफ से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिये भी उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की घोषणा होने की प्रतीक्षा है। इस तरह की घोषणा सरकार ने ही ही में कंप्यूटर लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के क्षेत्र के लिये की है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिये इस तरह की घोषणा अच्छा कदम होगा। इस क्षेत्र में होने वाले पूंजी निवेश और रोजगार सृजन का औसत काफी बेहतर है। नारायणन ने एक आभारी मीडिया बैठक में कहा, ''मुझे इस देश के उपभोक्ता बाजार की कहानी पर पक्का भरोसा है।'' उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख एजेंसियों ने जितने भी सर्वेक्षण किये हैं उनमें यह कहा गया है कि पैकिंग वाले सामानों का बाजार अगले पांच से 10 साल में दोगुना हो जायेगा। नारायणन ने कहा, ''आज यह बाजार 35 अरब डालर का है और हम इसके 70 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान लगा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि महामारी के कारण इसमें कुछ देरी हो सकती है लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

रेलवे की 'रोल आन- रोल आफ' सेवा में 10 कंपनियों ने दिखाई रुचि

नई दिल्ली, भाषा। रेलवे की माल परिवहन को समर्पित पश्चिमी गलियारा लाइन में न्यू पालनपुर से न्यू रेवाड़ी खंड के बीच ''रोल-आन -- रोल आफ (रो- रो) सेवा के समग्र अधिकार दिये जाने के लिये आयोजित बोली पूर्व सम्मेलन में 10 कंपनियों ने रुचि दिखाई। यह सम्मेलन शुक्रवार को वीडियो- कन्फ्रेसिंग के साथ साथ रुचि लेने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों की भौतिक उपस्थिति के साथ संपन्न हुआ। रेलवे की रो- रो सेवा में माल से लदे और खाली ट्रक सीधे रेलवे के सपाट वैगन पर चढ़ जाते हैं और निर्दिष्ट स्टेशन पर ये वाहन मालगाड़ी से उतर कर अंतम गंतव्य को चले जाते हैं।

सूचनार्थ

सर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान सरकार के पत्र क्रमांक F1(4)/SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.1(a)B2/File No.(17962) 2019-20 Jaipur Dated 05/02/2021 के द्वारा श्री हनुमान सहाय बागोरिया, निवासी जयपुर (राज.) को निकट ग्राम-सुखपुरा-I, तहसील-बिजौलिया, जिला-भीलवाड़ा (राज.) में स्थित खनन Q.L.Block No.-07 क्षेत्रफल 0.18 हैक्टेयर वास्ते खनिज सेण्डस्टोन खनन के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति SEIAA एवं राजस्थान राज्य प्रदुषण नियंत्रण मण्डल के कार्यालय में जनसाधारण के लिए उपलब्ध है।

हनुमान सहाय

टाइटन बायोटेक लिमिटेड

CIN: L74999RJ1992PLC013387

पंजी. कार्यालयः ए-902ए, रीको इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-III, भिवाड़ी, राजस्थान-301019

फोनः 011-27674615 | ई-मेलः hrd@titanbiotechltd.com | वेबसाईट : www.titanbiotechltd.com

शेयर प्रमाण पत्र की हानि की सूचना

एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि टाइटन बायोटेक लिमिटेड के निम्नलिखित शेयर प्रमाणपत्र जो कंपनी द्वारा जारी किए गए थे गुम या चोरी हो गए हैं और उक्त शेयर प्रमाणपत्र के पंजीकृत धारक / दावेदार ने डुप्लिकेट शेयर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए कंपनी में आवेदन किया है।

क्रम सं.	नाम और फोलियो नं.	प्रमाण पत्र सं.	डसटिन्कटिव नं.	इक्विटी शेयरो की सं.
1.	विपन कुमार हांडा 14919	38325	3812971-3070	100
2.	वी के हांडा 14918	38327	3813171-3270	100
3.	इंदरजीत कौर 16928	1318-1322	131071-131570	500

किसी भी व्यक्ति जिनके पास इस तरह के शेयर प्रमाणपत्रों के संबंध में कोई दावा करता है, इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर कंपनी के साथ लिखित रूप में इस तरह के दावे को दर्ज करना चाहिए। जिसके बाद कोई दावा नहीं किया जाएगा और रजिस्ट्रार डुप्लीकेट प्रमाण पत्र जारी करने के लिए आगे बढ़ेंगे।

कृते के लिए
टाइटन बायोटेक लिमिटेड
हस्ता/-
चरनजीत सिंह
कंपनी सचिव

दिनांकः 26-02-2021
स्थान : नई दिल्ली